जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 15 अगस्त 2020

**जामिया ने मुशीरूल हसन के सम्मान में 'मुशीरुल हसन एंडोमेंट' की स्थापना की**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने प्रो मुशिरुल हसन द्वारा इस विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता की ओर ले जाने के उनके प्रयासों और प्रतिबद्धतता के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए 'मुशीरुल हसन एंडोमेंट' की कल स्थापना की। 15 अगस्त प्रो हसन की जयंती है और उनकी याद में, एक दिन पहले उन्हें इस सम्मान से नवाज़ा गया।

प्रो मुशीरूल हसन की पत्नी, डा ज़ोया हसन, इस एंडोमेंट की स्थापना करना चाहती थीं, जिसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय को 1.50 करोड़ का दान देने का प्रस्ताव रखा था। जामिया ने प्रस्ताव को ससम्मान स्वीकार किया।

संस्थान के निर्माता और शिक्षाविद् प्रो मुशीरुल हसन ने अपने शैक्षणिक जीवन के प्रमुख हिस्से को जामिया को समर्पित किया, जहां उन्होंने लंबे समय तक इतिहास पढ़ाया और कुलाधिपति और अंततः कुलपति के रूप में इसे प्रगति की ओर ले गए।

एंडोमेंट का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगाः
1. वार्षिक मुशीरुल हसन पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप - यह दो सेमेस्टर या 9 महीने के लिए होगा, जो जामिया के मुनासिब होगा। यह मानविकी और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में, उन 45 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों के लिए खुला होगा जिन्होंने भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की है। उम्मीदवारों को अपनी परियोजना प्रस्तावों को विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा, जो अंतिम निणर्य लेगा। फैलोशिप के तौर पर प्रति माह 50,000 रूपयों का वज़ीफा मिलेगा।

2. पोस्ट-ग्रेजुएट मेरिट-कम-मीन्स मुशीरुल हसन छात्रवृत्तिः - ये दो साल के लिए प्रस्तावित किए गए हैं और हर साल जामिया के मानविकी संकाय और सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्रों को दी जाएगी।

इसके लिए 10,000 रूपए प्रति माह के वजीफे का प्रस्ताव है।

3. भारत के समकालीन इतिहास, समाज और राजनीति से संबंधित किसी भी विषय पर 'वार्षिक मुशीरुल हसन मेमोरियल सेमिनार':- इसे प्रो ज़ोया हसन द्वारा प्रस्तावित किया गया है, जो विश्वविद्यालय के 'दलित और अल्पसंख्यक अध्ययन केंद्र' ('केआर नारायणन सेंटर फॉर दलित एंड माइनोरिटीज़ स्टडीज़ ) की ओर से चलाया जाएग। इसके तहत, यह केन्द्र, एक दिवसीय मुशीरूल हसन मेमोरियल सेमिनार आयोजित किया करेगा।

'मुशीरुल हसन एंडोमेंट' का प्रबंध करने के लिए, जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय समिति का गठन भी विश्वविद्यालय द्वारा कर लिया गया है।
इस समिति के संयोजकों में प्रो ज़ोया हसन, प्रो प्रभात पटनायक, प्रोफेसर एमेरिटस, सीईएसपी, जेएनयू, प्रो सुरंजना दास, वीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय, जामिया की मानविकी और भाषा संकाय के डीन, जामिया के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन, जामिया के इतिहास विभाग के प्रमुख, और जामिया के रजिस्ट्रार शामिल हैं।

इससे पहले, डा ज़ोया हसन ने, प्रो हसन की जेएमआई के प्रति प्रतिबद्धता के सम्मान के रूप में, श्री हसन की पुस्तकों के संग्रह को साल 2019 में जामिया की सेंट्रल लाइब्रेरी को भेंट किया था। साथ ही उन्होंने श्री हसन को मिले पद्मश्री पुरूस्कार सहित उन्हें मिले सभी सम्मानों को जामिया के मुंशी प्रेमचंद अभिलेखागार को भेंट कर दिया था।

**अहमद अज़ीम**
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक